प्रशासक आशीष कुंद्रा ने 72000 स्कूली बच्चों को नियुक्त किया स्वच्छता सैनिक

■ स्वच्छता अभियान को लेकर जनता की उदासीनता प्रशासन के लिए परेशानी का सबब ■ स्वच्छता अभियान को संगठनात्मक स्वरुप देने के लिए जिला प्रशासन नियुक्त करेगा स्वच्छता दूत : जी. एस. मीणा

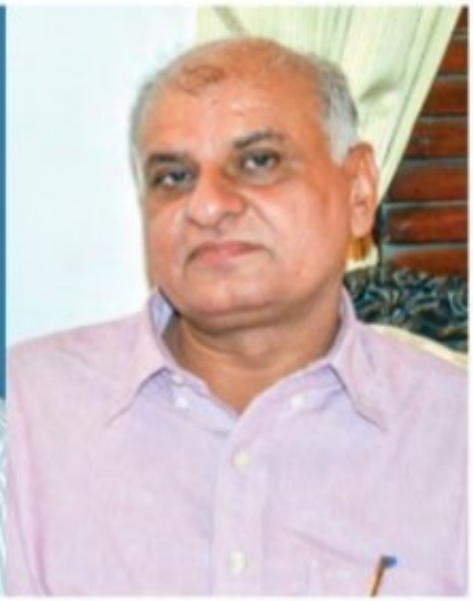

सिलवासा 12 अक्टूबर, (असली आजादी संवाददाता)। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली व दमण-दीव के प्रशासक आशीष कुंद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का रुप देने के लिए एक विशेष अभियान चला रखा है। उन्होंने स्वच्छता अभियान को घर-घर व जन-जन तक पहुँचाने के लिए संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के कुल 72000 स्कूली बच्चों को स्वच्छता सैनिक नियुक्त किया है।

प्रशासक आशीष कुंद्रा ने संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के 72000 स्कूली बच्चों को भेजे अपने पत्र में बताया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को स्वच्छ बनाने के लिए बडे स्तर पर जन आंदोलन स्वच्छता अभियान शुरु किया है। आप जानते है कि हमारे स्कूल में, घर व घर के आसपास, सडकों पर, बाजारों में गंदगी होने से या कम साफ-सफाई रहने से कई तरह की बीमारियां फैल जाती है। छोटे बच्चें, बुजुर्ग तथा महिलाएं इन बीमारियों से सबसे अधिक प्रभावित होते है। इसलिए हमारे प्रधानमंत्री ने हरेक से आग्रह किया है कि स्वच्छता के लिए प्रत्येक सप्ताह दो घण्टे यानि प्रतिवर्ष लगभग सौ घंटे योगदान दें। हम सब भारत को अधिक से अधिक अस्वच्छ नहीं रहने दे सकते। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हमें स्वच्छता के बारे में लोगों की सोच तथा व्यवहार में भी बदलाव लाना होगा। इस बदलाव के लिए आप यहां के स्वच्छता सेनानी होंगे। मन लगाकर पढाई करने के अलावा स्वच्छता सेनानी के तीन काम होंगे। पहला अपने घर में तथा घर के आसपास सफाई रखने के लिए आप अपने माता-पिता, भाई-बहन तथा दादा-दादी, नाना-नानी को रोज समझायेंगे व साफ-सफाई में योगदान करेंगे। साथ ही पूरी कोशिश करेंगे कि आपका घर सबके घर से अधिक साफ-सुथरा रहे। दूसरा अपने माता-पिता को समझायेंगे कि घर में शौचालय बनायें और शौचालय है तो उसका उपयोग करें, क्योंकि खुले में शौच जाने से गंदगी व बीमारियाँ होती है। तीसरा परिवार के सभी सदस्य शौचालय से आने के बाद व खाना खाने से पहले साबुन से हाथ साफ करेंगे। प्रशासक आशीष कुंद्रा ने सभी स्कूली बच्चों को स्वच्छता सेनानी नियुक्त करते हुए आशा व्यक्त किया है कि ये स्वच्छता सेनानी अपने परिवार के सदस्यों को स्वच्छता के बारे में समझाने में सफल होगें और स्वच्छ भारत के निर्माण में बहुत अधिक योगदान देंगे। प्रशासक ने अपने पत्र में यह भी बताया है कि समय-समय पर वे अथवा जिला अधिकारी स्वच्छता सैनानियों से मिलकर इस अभियान की प्रगति पर चर्चा करेंगे। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली में 72000 बच्चों को प्रशासक द्वारा स्वच्छता सैनिक नियुक्त किये जाने के बाद जिला अधिकारी जी. एस. मीणा ने कहा कि यह बडी गंभीर समस्या कही जायेगी कि प्रशासन अपने स्तर पर स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक प्रयास कर रहा है और इसके लिए जिला प्रशासन अब स्वच्छता अभियान को संगठनात्मक स्वरुप देने जा रहा है। प्रत्येक गांव में स्वच्छता दूत नियुक्त करने की योजना बना रहा है जो इस बात की निगरानी करेगा कि वास्तव में लोग स्वच्छता को अपना रहे है कि नहीं। जी. एस. मीणा ने कहा कि प्रशासन अपनी तरफ से स्वच्छता अभियान को जितना सफल बनाने का प्रयास कर रहा उसके हिसाब से स्वच्छता अभियान के प्रति जनता की उदासीनता प्रशासन के लिए अब परेशानी का सबब बनती जा रही है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इस अभियान में सिर्फ खानापूर्ति के लिए न जुटें बल्कि इस अभियान को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए जुटे। जिससे कि हम वास्तव में दादरा नगर हवेली को पूरी तरह से स्वच्छ रखकर इसे देश का पहला सम्पूर्ण रुप से स्वच्छ प्रदेश बनाने का गौरव प्राप्त करें।